श्रीमती सविता शारदा : सर, मैं वही बता रही हूं कि उच्च ओहदे पर होने के कारण उनके विरुद्ध एफआईआर दाखिल नहीं की गई और एक आदमी ऐसा है जिसके पिछले तीन सालों से मुझे लैटर आ रहे हैं कि न तो विमेन कमीशन, न क्राइम अगैंस्ट विमेन सैल वाले और न ही एफआईआर, कहीं उनकी फरियाद दाखिल नहीं हो रही है। वह आदमी बेचारा इतना दुखी है। दहेज के अगैंस्ट उसकी लड़की को मारा गया। लेकिन एफ आई आर भी दाखिल नहीं हो रही है। सर, इसके लिए मुझे मंत्री जी से यह पूछना है कि यह सात साल वाले जो केसेज हैं दहेज के और सात साल के बाद वाले इनमें भी बहुत सारे जो केस हैं वे सामने आ रहे हैं, इसके बारे में आप क्या कहना चाहेंगे?

श्री ईश्वर दयाल स्वामी : सर, जो स्पेसेफिक केस आनरेबल मैंबर ने प्वांयट आउट किए हैं, जिनकी जानकारी उन्हीं को है, अगर वह लिख कर भेज देंगी तो उनकी इन्क्वायरी जरूर करा ली जाएगी और जहां तक माननीय सदस्य ने यह कहा कि और स्टेट्स में कहां-कहां क्राइम अगैंस्ट वीमैन सेल्स हैं, महोदय यह प्रश्न दिल्ली के बारे में है और अगर माननीय सदस्या उसके लिए सेपरेट प्रश्न देंगी तो वह इंफॉर्मेशन भी उन्हें दे दी जाएगी।

राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (नेशनल थर्मल पावर कारपोरेशन) द्वारा विदेशों में कारोबार

*127. **श्री लाजपत राय :†**

श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन':

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी) को विदेशों में कारोबार करने की अनुमति दी है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में तथ्य क्या हैं;

(ग) अनुमति दिए जाने के क्या कारण हैं; और

(घ) क्या राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम ने विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में अपनी घरेलू बाध्यताओं को पूरा कर लिया है?

विद्युत मंत्री (श्री अनन्त गंगाराम गीते) : (क) से (घ) विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) से (ग) भारत सरकार ने प्रौद्योगिकी संबंधी संयुक्त उद्यम (जेब्री) में प्रवेश करने, वित्तीय संयुक्त उद्यम स्थापित करने, भारत एवं विदेश में कार्यालय खोलने तथा आरबीआई व यथोचित प्राधिकरणों के अनुमोदन के साथ अंतर्राष्ट्रीय बाजार से ऋण प्राप्त करने आदि के लिए नेशनल थर्मल पावर कारपोरेशन (एनटीपीसी) समेत कुछ सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को व्यापक

† सभा में यह प्रश्न श्री लाजपत राय द्वारा पूछा गया।

स्वायत्तता प्रदान की है और अधिकार प्रत्यायोजित किए हैं। तदनुसार, एनटीपीसी संयुक्त उद्यमों और कंसोर्टिया इत्यादि के माध्यम से विद्युत संयंत्र इंजीनियरिंग और विद्युत स्टेशनों के प्रचालन एवं अनुरक्षण के संबंध में भारत के बाहर जैसे सउदी अरब, ईरान और ओमान इत्यादि में व्यावसायिक अवसरों की तलाश करने का प्रयास कर रहा है।

(घ) देश में ताप विद्युत की आयोजना, प्रवर्तन और समेकित विकास के उद्देश्य से एनटीपीसी को नवम्बर, 1975 में निगमित किया गया था। कंपनी ने देश के विद्युत क्षेत्र विकास में बड़ा योगदान किया है। 31.3.2003 की स्थिति के अनुसार एनटीपीसी की अधिष्ठापित क्षमता 21,249 मेगावाट थी जो देश की कुल अधिष्ठापित क्षमता का लगभग 19.7% और देश की कुल ताप विद्युत क्षमता का लगभग 27.7% है। वर्ष 2002–03 के लिए एनटीपीसी का योगदान अखिल भारत विद्युत उत्पादन में 26.9% और अखिल भारत ताप विद्युत उत्पादन में 31.8% है। एनटीपीसी ने 10वीं योजना अवधि के लिए 9370 मेगावाट क्षमता हेतु विद्युत परियोजनाओं के कार्यान्वयन का एक प्रतिबद्ध बनाया कार्यक्रम है, जिसमें 1500 मेगावाट क्षमता पहले ही चालू की जा चुकी है।

4500 मेगावाट क्षमता निर्माणाधीन है और 3370 मेगावाट क्षमता के प्रस्ताव प्रगति की विभिन्न अवस्थाओं में हैं।

इसके अतिरिक्त, एनटीपीसी ने वर्ष 2012 तक 40,000 मेगावाट से अधिक क्षमता वाली कंपनी बनने के लिए एक कोरपोरेट प्लान तैयार किया है और एनटीपीसी इस लक्ष्य को प्राप्त करने के सभी प्रयास कर रहा है। एनटीपीसी हिमाचल प्रदेश में 800 मेगावाट क्षमता की कोलडेम जल विद्युत परियोजना के साथ जल-विद्युत क्षेत्र में भी प्रवेश कर चुका है।

Business in foreign countries by NTPC

†*127. SHRI LAJPAT RAI:††

SHRI RAJIV RANJAN SINGH 'LALAN':

Will the Minister of POWER be pleased to state :

(a) whether it is a fact that Government have permitted NTPC for business in foreign countries;

(b) if so, the facts in this regard;

(c) the reasons for the permission; and

(d) whether NTPC has fulfilled its domestic obligation in the field of power generation?

---

†Original notice of the question was received in Hindi.

††The question was actually asked on the floor of the House by Shri Lajpat Rai.

THE MINISTER OF POWER (SHRI ANANT GANGARAM GEETE) (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) to (c) Government of India have granted enhanced autonomy and delegation of powers to Navratna Public Sector Undertakings which includes National Thermal Power Corporation (NTPC) for entering into technology joint ventures (JVs), to establish financial joint ventures, for opening offices in India and abroad, to borrow from international market with the approval of RBI and appropriate authorities etc. Accordingly, NTPC is trying to explore the business opportunities outside India such as Saudi Arabia, Iran, Oman etc. in Power Plant Engineering and Operation and Maintenance of power stations through JVs an consortia etc.

(d) NTPC was incorporated in November, 1975 with the objective of planning, promoting and organizing integrated development of thermal power in the country. The company has made major contribution to the Power Sector development in the country. NTPC's installed capacity as on 31.3.2003 amount to 21,249 MW constituting about 19.7% of the country's total installed capacity and about 27.7% of the country's total thermal capacity. In 2002-03 contribution of NTPC is 26.9% of All India Generation and 31.8% of All India thermal Generation. NTPC has a committed programme of implementing power project with 9370- MW capacity for the Tenth Plan period of which 1500 MW has already been commissioned, 4500 MW is on-going; and proposals for 3370 MW are at various stages of progress.

Further, NTPC has adopted a Corporate Plan to become a 40,000 MW plus company by the year 2012 and NTPC is making all endeavours to realize this target. NTPC has also entered into Hydro power sector with 800 MW Koldam Hydro Electric Project in Himachal Pradesh.

SHRI LAJPAT RAI: Mr. Chairman, Sir, I have gone through the reply of the hon. Minister. Sir, I want to know from the hon. Minister in which year the Government allowed the NTPC to enter the foreign power market on commercial basis. Right from that day, what is the quantum of finance invested in joint ventures and how much has been the overhead in this year? And what are the prospects of the rate of return?

श्री अनन्त गंगाराम गीते: सभापति जी, एन०टी०पी०सी० के नवरत्न कंपनी होने के कारण गवर्नमेंट ने उन्हें अधिकार बहाल किया है कि वह देश और विदेश में अपना कारोबार कर सकती है। जहां तक विदेश में कारोबार का सवाल है, एन०टी०पी०सी० ने जिन तीन देशों में अपना कारोबार शुरू किया है, उसमें अभी तक किसी भी प्रकार का निवेश एन०टी०पी०सी० ने वहां पर नहीं किया है।

SHRI LAJPAT RAI: Sir, I want to know further from the hon. Minister the number of thermal projects which have been under development since January, 2002 and the quantum of investment therein.

श्री अनन्त गंगाराम गीते: महोदय, एन०टी०पी०सी० ने किसी प्रकार का निवेश विदेश में नहीं किया है और विदेश में कोई जनरेशन प्लांट भी नहीं लगाया है। उसने जो भी सेवाएं दी हैं, वे ऑपरेशन और मेंटेनेंस से संबंधित हैं।

श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन': सभापति महोदय, एन०टी०पी०सी० का गठन वर्ष 1975 में हुआ और एन०टी०पी०सी० की एक किताब के मुताबिक ही उस का गठन बिजली की मांग और आपूर्ति के बढ़ते हुए अंतर को कम करने के लिए हुआ। उसका सामाजिक उत्तरदायित्व भी यह था कि एन०टी०पी०सी० को इस देश में जरूरत के अनुसार विद्युत का उत्पादन करना था। लेकिन वर्ष 1975 से आज 28 वर्षों के बाद सरकार के उत्तर के अनुसार ही सिर्फ 26.9 प्रतिशत और ताप विद्युत उत्पादन में 31.8 प्रतिशत की उपलब्धि एन०टी०पी०सी० ने की। महोदय, इन 28 वर्षों के बाद भी इतनी उपलब्धि इस बात को साबित करती है कि जिन सामाजिक दायित्वों के लिए उस का गठन हुआ था, उसे पूरा करने में वह पूरी तरह सफल हुई है। वैसी स्थिति में एन०टी०पी०सी० जब अपने देश में उसके सामाजिक दायित्व की पूर्ति नहीं कर पा रही है, उसके विदेश में व्यापार करने का क्या औचित्य है?

श्री अनन्त गंगाराम गीते: सभापति जी, माननीय सदस्य ने एन०टी०पी०सी० के बारे में यहां जो जानकारी दी, उसमें उन्होंने कहा कि एन०टी०पी०सी० अपने उत्तरदायित्व को निभाने में अभी पूरी तरह सफल नहीं हुई, मैं उनके इस मत से कुछ अंश तक सहमत हूं। लेकिन एन०टी०पी०सी० को किसी भी तरह का बजटरी सपोर्ट नहीं दिया जाता है। एन०टी०पी०सी० अपने बल पर ही देश में प्रोजेक्ट लगा रही है और अब तक एन०टी०पी०सी० का जो योगदान है, उसके मुताबिक वह 21 हजार मेगावाट पावर जनरेट कर रही है और 10वीं योजना में हमने उन्हें 9 हजार मेगावाट का टार्गेट दिया है जिसमें से लगभग 15 सौ मेगावाट पावर आलरेडी जनरेट हो चुकी है व 3 हजार 3 सौ के प्रोजेक्ट अंडर-कंस्ट्रक्शन हैं। महोदय, 10वें प्लान में जो उन्हें टार्गेट दिया गया है, एन०टी०पी०सी० निश्चित रूप से उस

टार्गेट को पूरा कर पाएगी। महोदय, जहां विदेशों में एन०टी०पी०सी० के कारोबार बढ़ाने की बात है, वहां पर उसने किसी भी प्रकार का निवेश अभी तक नहीं किया है। मैं सदन को आश्वस्त करना चाहूंगा कि एन०टी०पी०सी० को जो जिम्मेदारी सौंपी गयी है, उसके संदर्भ में किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। एन०टी०पी०सी० अपनी जिम्मेदारी को पूरी तरह निभाएगी।

SHRI C. RAMACHANDRAIAH : Sir, power is a very vital sector for the development of the economy of our country. We have taken a decision that we shall achieve 8 per cent growth rate, which is a must at this hour. What exactly is the requirement of power in this country to achieve this 8 per cent growth rate and what exactly is the installed capacity as on today? And how are you going to cover this deficiency? What are the action plans that the Government has got in this regard?

श्री अनन्त गंगाराम गीते: सभापति महोदय, माननीय सदस्य का यह प्रश्न मूल प्रश्न से हटकर है, लेकिन जहां तक जीडीपी ग्रोथ रेट का उन्होंने जिक्र किया है, उसका सीधा संबंध बिजली से है। मैं इससे सहमत हूं और इसलिए आज जो बिजली की कमी है उस कमी को पूरा करने के लिए दसवीं योजना में हमने 41 हजार मेगावाट का टारगेट अपना तय किया है और ग्यारहवीं योजना में 59 हजार मेगावाट का टारगेट हमने बनाया है। मैं माननीय सदन को विश्वास दिलाना चाहूंगा कि जो हमने दसवीं योजना का टारगेट बनाया है, निश्चित रूप से उस टारगेट को पूरा किया जाएगा, जिससे इंडस्ट्रीज को बिजली मिल पाएगी और उसी का परिणाम निश्चित रूप से जीडीपी ग्रोथ रेट की बढ़ोतरी में देखा जा सकेगा।

श्री आर० पी० गोयनका: सभापति महोदय, वैसे काफी हद तक मेरा सवाल ऑलरेडी पूछ लिया गया है, फिर भी मैं एक बात कहना चाहता हूं कि एन०टी०पी०सी० बाहरी देशों में काम करने जा रही है यह तो बहुत अच्छी बात है, लेकिन यहां अपने देश में बिजली की कमी है अब उसको छोड़कर ये अपना समय दूसरी जगहों पर लगा रहे हैं तो क्या यह अच्छी बात है ?

श्री सभापति: इस पर मंत्री महोदय ने कह दिया है, काफी कह दिया है।

श्री बालकवि बैरागी: सभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री महोदय से आपके माध्यम से जानना चाहता हूं। पहले तो मैं आपको इस बात का धन्यवाद देना चाहता हूं कि यह एन०टी०पी०सी० बड़ा गौरवशाली काम कर रही है और इसका उल्लेख हम जगह-जगह करते हैं। आपने जो बयान दिया है, उसके हिसाब से आपके पास आने वाले दस वर्षों तक का कार्यक्रम तैयार पड़ा है और ग्यारहवीं

योजना, बारहवीं योजना, तेरहवीं योजना तक की आप बात कर रहे हैं, मेरा आपसे मूल प्रश्न यह है कि इन सबके लिए आपके पास फंड्स की क्या व्यवस्था है? दूसरा मेरा 'ब' प्रश्न यह है कि तीन दिन पहले आपने यहां इसी सदन में यह कहा था कि वर्ष 2012 तक गांव गांव में, घर घर में बिजली होगी, लेकिन उसमें आप एक बात भूल गए थे खेत खेत में बिजली। यह खेत खेत में बिजली की बात आपने नहीं कही थी और यदि यह खेत खेत में बिजली नहीं होगी तो देश बहुत पीछे रह जाएगा। तो इस दिशा में एन०टी०पी०सी० और जो दूसरे जितने भी आपके समकक्ष उपक्रम हैं उन सबके लिए आपके पास क्या कोई समग्र-रूपेण योजना बिजली की है या नहीं क्योंकि आपको एक लाख मेगावाट बिजली आने वाले दस वर्षों में चाहिए? इस बारे में अगर आप स्पष्ट स्थिति बताने की कृपया करेंगे तो हम पर उपकार होगा। धन्यवाद।

श्री अनन्त गंगाराम गीते: सभापति जी, एन०टी०पी०सी० को जो लक्ष्य दिया गया है उस लक्ष्य को पूरा करने के लिए जहां तक धन की आवश्यकता का जो सवाल है, निश्चित रूप से घर की कमी नहीं आएगी, एन०टी०पी०सी० अपने बलबूते पर इन सारी परियोजनाओं को पूरा कर सकता है। दूसरा, जहां तक खेत खेत में बिजली पहुंचाने की आप बात कर रहे हैं, तो जब हम घर घर तक बिजली पहुंचाने की सोचते हैं तो निश्चित रूप से खेत खेत तक भी बिजली वर्ष 2012 तक पहुंच जाएगी।

श्री सभापति: इनके खेत और घर, दोनों देख लीजिए।

Mineral deposits in Orissa

*128. SHRI RAMACHANDRA KHUNTIA : Will the Minister of MINES be pleased to state :

(a) the estimated total mineral deposits in Orissa and how many mines are under the control of Government undertakings and how many of them have been given to private companies; and

(b) whether Government propose to lease more mines in Orissa to private companies; if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF MINES (SHRI RAMESH BAIS) : (a) and (b) A Statement is laid on the Table of the House.